[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 6368 **E** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 213602

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Name of the Paper : Proficiency in Sanskrit Language – III

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य के नियम उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (10)

Explain with examples the rules of कर्तृवाच्य and कर्मवाच्य.

अथवा / OR

कारक की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को स्पष्ट कीजिए।

Define the Karaka with the description of types of karaka.

P.T.O.

2. द्वितीया विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (5)

Explain with examples the rules of द्वितीया विभक्ति.

अथवा / OR

अपादान कारक को विवेचन करते हुए पञ्चमी विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Discuss अपादान कारक and explain the rules of द्वितीया विभक्ति with relevant examples.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। (7)

Translate in Sanskrit any of the **seven** sentences.

(i) मूर्ख शिष्य गुरु की निन्दा करता है।

The fool disciple criticizes the teacher.

(ii) पुत्र पिता से डरता है।

Son fears from the father.

(iii) कल सवेरे मैं पिता जी के साथ दुकान गई।

Yesterday I went to the shop with my father.

(iv) सभी देवताओं को नमस्कार हो।

Salutation to all the gods.

(v) नगर के चारों ओर बगीचा है।

There is a garden all around the town.

(vi) हिमालय से गङ्गा निकलती है।

The Ganga emerges from the Himalaya.

(vii) देवदत्त बर्तन में चावल पकाता है।

Devdatta cooks rice in the pot.

(viii) मित्रो! मैं तुम दोनों को एक-एक पुस्तक देना चाहता हूँ।

Friends! I want like to give a book to each one of you both.

(ix) हमारे देश में बहुत लोग संस्कृत के अध्ययन में रुचि रखते हैं।

Many people in our country take interest in the study of Sanskrit.

(x) सीता की बहन उसके लिए मीठे फल लाएगी।

Sita's sister will bring sweet fruits for her.

(xi) चतुर मनुष्य चार बालकों को फल देता है।

Clever man gives fruits to four children.

4. निम्नलिखित गद्यांश का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। (8)

Translate the following into **Sanskrit** :

मन और शरीर का घनिष्ठ सम्बन्ध है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन रहता है। छात्रों को चाहिए कि वे केवल अपने मन को ही नहीं, बल्कि अपने शरीर को भी विकसित करें। दुर्बल स्वास्थ्य रखकर हम कोई भी कठिन काम नहीं कर सकते। अत: हमारे लिए स्वास्थ्य उतना ही आवश्यक है जितनी शिक्षा।

There is an intimate relationship between mind and body. A healthy body has a healthy mind. Students should develop not only their minds but also their bodies. We cannot do any hard (difficult) job if we have poor health, Therefore, health is as necessary for us as education.

अथवा / OR

अपनी मातृभाषा को निकृष्ट समझना हमारी भूल है। हमें संसार के साथ रहना और चलना है। अत: एवं संसार की अन्यान्य भाषाओं को सीखने की जरूरत है। पर, अपनी मातृभाषा के महत्त्व का ध्यान रखना भी बहुत आवश्यक है। अपनी मातृभाषा का अच्छा ज्ञान प्राप्त करना हमारा कर्तव्य है।

It is our mistake to look down upon our mother-tongue. We have to live in and move with the world. Therefore, we need to learn other languages of the world. But it is very necessary to be aware of the importance of the mother –tongue, too. It is our duty to acquire a good knowledge of our mother-tongue.

5. निम्न में से किसी एक का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। (10)

Translate any **one** of the following paragraphs into **Hindi or into English.**

विक्रमो राजा षण्मासं राज्यं करोति, षण्मासं च देशान्तरं भ्रमति। एकदा स नानादेशान् परिभ्रम्य पद्मालयं नाम नगरं गतः। तस्मात् बहिः उद्याने सरोवरं दृष्ट्वा तत्र उदकं पीत्वा स उपविष्टः। ततः अन्येऽपि केचन वैदेशिकाः समागत्य जलपानं कृत्वा उपविष्टाः परस्परं वार्तालाप, कुर्वन्ति- अहो! अस्माधिः अनेके देशाः दृष्टाः बहूनि तीर्थस्थानानि दृष्टानि, अतिदुर्गमाः पर्वताः आरूढाः, परमेकत्रापि महापुरुषदर्शनं नाभूत्।

अथवा / OR

संस्कृतवाङ्मयं विशालम्। तस्मिन् न केवलं जीवनस्य भौतिकपक्षः प्रदर्श्यते न च केवलम् आध्यात्मिकपक्षः। यथा पक्षी द्वाभ्यां पक्षाभ्याम् उत्पतति तथैव मानवोऽपि उभाभ्यां पक्षाभ्यां प्रगतिं करोति। सांसारिकजीवने सुखप्राप्तिः मनुष्यस्य प्रथमा आवश्यकतास्ति। अत एव पुरुषार्थचतुष्टये धर्मादनन्तरम् अर्थस्य स्थानम्। अर्थं विना संसारस्य किमपि कार्यं न सिध्यति। किन्तु अर्थोऽपि तावानेव उपादेयः यावती तस्य आवश्यकता।

6. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। (20)

Write an essay on any **one** of the following topics.

(i) वेदानां महत्त्वम्

(ii) रम्या रामायणी कथा

(iii) संस्कृतिः संस्कृताश्रया

(iv) इतिहासपुराणाभ्यां वेदं समुपबृंहयेत्।

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लघु निबन्ध लिखिए। (15)

Write a short essay on any **one** of the following topics.

(i) आतंकवादः - समस्या समाधानं च

(ii) पर्यावरण-संरक्षणम्

(iii) मम प्रियक्रीडा

(iv) संगणकस्य महत्त्वम्